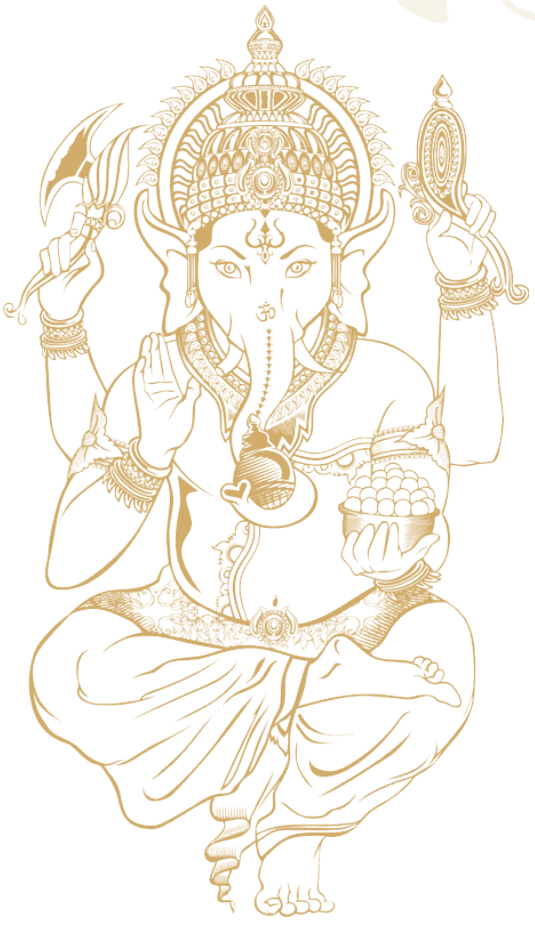

Mr.Rachit

Deepshikha

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119631604

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/08/1996	जन्म तिथि	04/01/1998
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 13:10:00	जन्म समय	17:55:00 घंटे
घटी 19:03:40	जन्म समय(घटी)	27:26:56 घटी
India	देश	India
Lucknow	स्थान	Agra
26:50:00 उत्तर	अक्षांश	27:09:00 उत्तर
80:54:00 पूर्व	रेखांश	78:00:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:06:24	स्थानिक संस्कार	-00:18:00 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:32:31	सूर्योदय	07:08:29
18:51:55	सूर्यास्त	17:37:24
23:48:38	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 6वर्ष 3मा 8दि	28:04:00	तुला	लग्न	मिथु	24:49:42	शनि 15वर्ष 2मा 14दि	
शुक्र	18:23:23	कर्क	सूर्य	धनु	20:06:54	बुध	
13/11/2009	25:04:44	मीन	चंद्र	मीन	05:59:42	21/03/2013	
13/11/2029	12:34:54	मिथु	मंगल	मक	19:42:27	21/03/2030	
शुक्र 14/03/2013	10:21:03	सिंह	बुध	वृश्चि	27:15:49	बुध 17/08/2015	
सूर्य 14/03/2014	15:24:41	धनु व	गुरु	मक	29:09:35	केतु 14/08/2016	
चन्द्र 13/11/2015	03:46:05	मिथु	शुक्र व	मक	08:34:21	शुक्र 14/06/2019	
मंगल 12/01/2017	13:21:46	मीन व	शनि	मीन	20:02:19	सूर्य 20/04/2020	
राहु 13/01/2020	15:52:25	कन्या	राहु	सिंह	18:25:55	चन्द्र 19/09/2021	
गुरु 13/09/2022	15:52:25	मीन	केतु	कुंभ	18:25:55	मंगल 16/09/2022	
शनि 13/11/2025	08:23:48	मक व	हर्ष	मक	13:28:56	राहु 05/04/2025	
बुध 12/09/2028	02:06:47	मक व	नेप	मक	05:14:39	गुरु 12/07/2027	
केतु 13/11/2029	06:32:02	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:03:16	शनि 21/03/2030	

लग्न-चलित

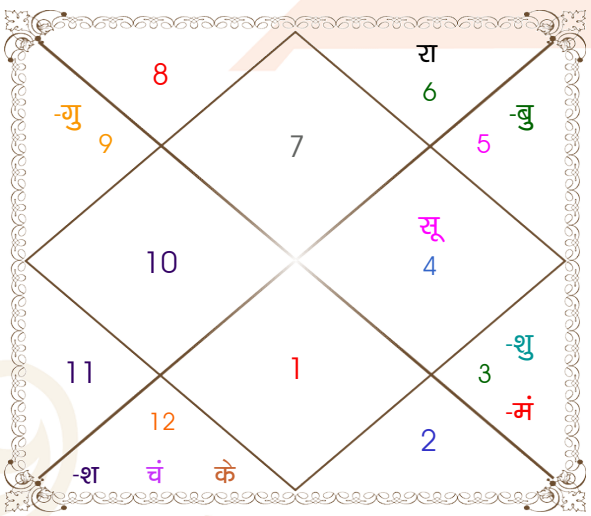

लग्न-चलित

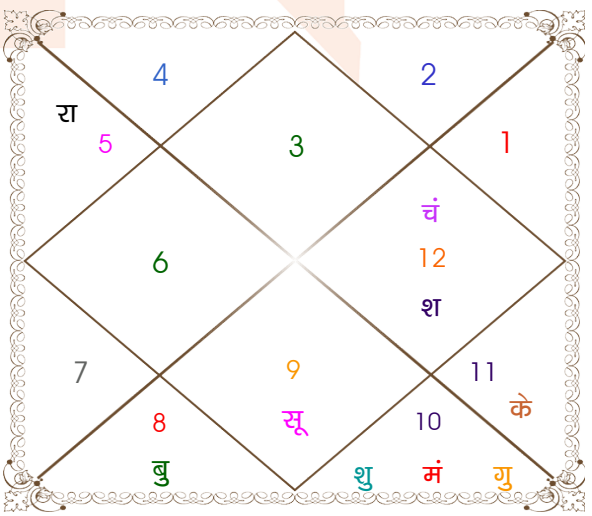

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गौ	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	34.00		

Mr.Rachit का वर्ग सिंह है तथा क्ममचेीपीं का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.Rachit और क्ममचेीपीं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.Rachit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

क्ममचेीपीं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल क्ममचेीपीं कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु क्ममचेीपीं कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.Rachit कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.Rachit तथा क्ममचीपर्ी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।